G–201

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – वेद निरूक्त एवं वैदिक साहित्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'अग्निसूक्त' के देवता कौन हैं ?
2. 'क्रतुना' का क्या अर्थ है ?
3. 'विश्वान्' का क्या अर्थ है ?
4. शत्रुनाशनम् सूक्त के देवता कौन हैं ?
5. 'ईशावास्योपनिषद्' में श्लोकों की संख्या कितनी है ?
6. 'एजति' का अर्थ क्या है ?
7. बालगंगाधर तिलक के अनुसार ऋग्वेद का रचनाकाल क्या है ?
8. वेद के नेत्र किन्हें कहा गया है ?

खण्ड—ब

9. 'यो हत्वाहिमरिणात्' मन्त्र का भावार्थ लिखिए।
10. 'यत्पुरुषेण हविषा' मन्त्र का भाव स्पष्ट कीजिए।
11. 'उच्चावचेष्वर्थेषु' का भाव स्पष्ट कीजिए।
12. 'तत्र चतुष्ट्वं नोपपद्यते' की व्याख्या कीजिए।

13. 'अग्ने नय सुयधा राये' की व्याख्या कीजिए।
14. यजुर्वेद का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

खण्ड—स

15. अर्थ स्पष्ट कीजिए—

    अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः।

    देवो देवेभिरा गमत्।
16. 'भाव विकार' का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
17. उपनिषद् साहित्य की महत्ता प्रतिपादित कीजिए।
18. सामवेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड—द

19. पुरुष सूक्त के किन्हीं **दो** मन्त्रों की हिन्दी व्याख्या कीजिए।
20. आचार्य यास्क की निर्वचन पद्धति को प्रकाशित कीजिए।
21. अद्वैत भाव क्या है ? इसकी सार्थकता पर प्रकाश डालिए।
22. गोपथ ब्राह्मण का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड—इ

23. सृष्टि की रचना में पुरुष देवता की भूमिका का वर्णन कीजिए।
24. शतपथ ब्राह्मण एवं ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G-202

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – पालि प्राकृत एवं भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. हिन्दी भाषा में कौन-सी लिपि है ?
2. मालुक्यपुत्तगाथा में सांसारिक दुःखों को क्या कहा गया है ?
3. 'मूलदेव' कथा किस भाषा में संकलित है ?
4. मागधी प्राकृत भाषा किस नाटक में प्रयुक्त हुई है ?
5. मूक एवं बधिरों के साथ किस भाषा का प्रयोग किया जाता है ?
6. वर्णों के समूह को क्या कहा जाता है ?
7. खेतानी प्राकृत भाषा का प्रयोग किसमें हुआ है ?
8. बावेरुजातकम् कथाचैत्रवन में विहार करते हुए किसने कही ?

खण्ड—ब

9. पालि संग्रह के बुद्धचरित में किसके स्वप्न का वर्णन है तथा किसके जन्म का वर्णन है ? स्पष्ट कीजिए।
10. निम्ना◌ित पद्य का संस्कृत में रूपान्तर कीजिए—

    यथापि भमरो पुप्फं वण्णगन्धं अहेठ्यं।

    पलेति रसं आदाय एव गामे मुनी चरे।

11. आपके पाठ्यक्रम में संग्रहीत **पाँच** जातक कथाओं का नाम लिखकर बताइये कि आपको कौन-सी जातक कथा अच्छी लगी और क्यों ? कारण स्पष्ट कीजिए।
12. बुद्धशासन प्रसार में मुख्य रूप से क्या बताया गया है ?
13. स्वर की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
14. वाक्य का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिये।

खण्ड—स

15. 'वानरेन्द्र जातकम्' कथा का सारांश हिन्दी में प्रस्तुत कीजिये।
16. अपने तर्कों के आधार पर भाषा और बोली के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
17. 'स्वप्नवासवदत्तम्' में निहित चेटी और विदूषक के संवाद को उल्लिखित कीजिये।
18. 'मालुक्यवंशगाथा' में संकलित बुद्ध के उपेदशों का वर्णन कीजिये।

खण्ड—द

19. शौरसेनी तथा मागधी प्राकृत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
20. भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
21. 'वासुदेव कथा' का सारांश लिखते हुए उससे प्राप्त शिक्षा का भी उल्लेख कीजिये।
22. रूपविज्ञान एवं ध्वनिविज्ञान की अवधारणात्मक व्याख्या प्रस्तुत कीजिये।

खण्ड—इ

23. वेदान्तसार के अनुसार 'अज्ञान' (माया) के स्वरूप की विशद विवेचना कीजिये।

अथवा

अर्थ परिवर्तन क्या है ? इसके कारणों की विस्तृत विवेचना कीजिये।

24. प्राचीन भारतीय भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास उल्लिखित कीजिये।

अथवा

सम्यक् आचरण एवं सम्यक् दृष्टि की महत्ता को स्पष्ट कीजिये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–203

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – व्याकरण एवं निबन्ध **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'रामेण बाणेन इतो बाली' में करण संज्ञक कौन-सा पद है ?
2. 'वृक्षं-वृक्षं प्रति' यह प्रयोग किसका उदाहरण है ?
3. 'नृपां नृषुवा द्विजः श्रेष्ठः' यह किस सूत्र से सम्बन्धित है ?
4. 'परिक्रमण' कितने समय तक सेवक रखना माना गया है ?
5. अन्यथाकारम् में कौन-सा प्रत्यय है ?
6. 'प्रकृत्य' यहाँ पर किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ?
7. आगम से व्याकरणाध्ययन के कितने प्रयोजन प्राप्त हैं ?
8. वागयोगविदं में शब्दों के कैसे प्रयोग को महाभाष्य माना गया है ?

खण्ड—ब

9. 'अत्तरान्तरेणयुक्ते' सूत्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
10. प्रातिपदिकार्थ का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
11. चतुर्थी विभक्ति के किन्हीं **दो** प्रयोगों का परिचय दीजिए।
12. अपादान संज्ञा को स्पष्ट कर **दो** उदाहरण लिखिये।

13. 'कार्यम्, स्तुत्यः' प्रयोग को सिद्ध कीजिए।
14. 'आगम पदार्थ निरूपणं भाष्य' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

खण्ड—स

15. नित्यतां साधक पक्षनिर्णय अधिकरण में वर्णित आक्षेपों का समाधान कीजिए।
16. 'शतृ एवं शानच्' प्रत्यय से बनने वाले **दो** प्रयोगों को सिद्ध कीजिए।
17. 'राल्लोपः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
18. षष्ठी विभक्ति के वैकल्पिक प्रयोगों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड—द

19. 'सहयुक्तेऽप्रधाने तथा येना①विकार' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
20. सम्बन्ध कारक सम्बन्धी किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
21. 'उदितो वा'? 'आतो युच्' तथा 'हलश्च' सूत्रों की व्याख्या कीजिए।
22. कर्मप्रवचनीय संज्ञा कहाँ होती है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—इ

23. ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
24. किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये—
    (i) अहिंसा परमो धर्मः
    (ii) भारतीया संस्कृतिः
    (iii) प्रिय कविः
    (iv) विद्या ददाति विनयं

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–204

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय – भारतीय दर्शन **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. कारण के कितने भेद हैं ?
2. इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष कितने प्रकार का होता है ?
3. सांख्य दर्शन के प्रणेता आचार्य कौन हैं ?
4. प्रकृति पुरुष संयोग की उपमा किससे दी गयी है ?
5. कण्ठस्थानीय वायु को क्या कहा जाता है ?
6. अण्डज पिण्डजादि किसके भेद हैं ?
7. सप्तभङ्गीनय किस दर्शन से सम्बद्ध है ?
8. हीनयान और महायान सम्प्रदाय का सम्बन्ध किससे है ?

खण्ड—ब

9. प्रमाणादि षोडश पदार्थों के नाम लिखिये।

10. प◈चविध हेत्वाभासों के नाम लिखिये।

11. प्रकृति-पुरुष के संयोग का कारण स्पष्ट कीजिए।

12. सांख्य सम्मत आठों सिद्धियों का नाम लिखिये।

13. ज्ञानेन्द्रियों की उत्पत्ति किससे होती है ?

14. सूक्ष्म शरीर के अवयवों का परिचय दीजिए।

खण्ड—स

15. सोदाहरण उपाधि का लक्षण लिखिये।

16. कार्य-कारण सिद्धान्त का सामान्य परिचय दीजिए।

17. सांख्य दर्शन के पच्चीस तत्वों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

18. अध्यारोप एवं अपवाद का विवेचन कीजिए।

खण्ड—द

19. सम्यक् समाधि का परिचय दीजिए।

20. अज्ञान का स्वरूप एवं शक्तियों का प्रतिपादन कीजिए।

21. सांख्यादर्शनानुसार सत्कार्यवाद का विवेचन कीजिए।

22. 'त्रिविधं कारणमिष्टम्' पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—इ

23. सांख्यदर्शनानुसार बन्धन तथा मोक्ष की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

24. तत्त्वमसि महावाक्य में आने वाली शंकाओं का समाधान कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**